

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं सेवा की भावना द्वारा अमर फल
प्राप्त करने वाली माया के रोग
से मुक्त आत्मा हूँ





**सत्य को अपना साथी
बनाओ तो आपकी
नईया (नांव) कभी
डूब नहीं सकती।**

थकावट से बाहर आने की विधि

बापदादा 27.02.1996

थको नहीं। जिस समय थकावट फील हो ना तो कहाँ भी जाकर डांस शुरू कर दो। चाहे बाथरूम में। क्या है इससे मूड चेंज हो जायेगी। चाहे मन की खुशी में नाचो, अगर वह नहीं कर सकते हो तो स्थूल में गीत बजाओ और नाचो। फारेन में डांस तो सबको आता है। डांस करने में तो होशियार हैं। फरिश्ता डांस तो आता है। अच्छा।



थकावट से बाहर आने
की विधि (27-02-96)

दीदी मनमोहिनी जी की विशेषतायें

जितना गम्भीर, उतना रमणीक

दीदी इतनी अन्तर्मुखी रहती, जो उनके मुख से कभी व्यर्थ बोल नहीं निकलते। कभी किसी का परचिंतन, परदर्शन नहीं करती। उनके जीवन में गम्भीरता के साथ रमणीकता का बैलेन्स था। वे सभी से अलौकिक चिटचैट करके खूब रिफ्रेश कर देती। उनके साथ बहुत रमणीकता से खेलपाल भी करती।





"मास्टर रचता बन विश्व की रेखदेख करो"

स्वयं और सेवा - दोनों का बैलेन्स (Balance;सन्तुलन) रखो। स्वयं को भी नहीं भूलो और विश्व-सेवा को भी नहीं भूलो। विश्व की परिक्रमा देना कितने समय का काम है? विश्व के मालिक के बालक हो तो मालिक बन विश्व-परिक्रमा लगाओ। जब तीनों लोकों का चक्र लगा सकते हो, तो विश्व का चक्कर लगाना क्या बड़ी बात है! जैसे पहले के योग्य राजाएं सदा अपने राज्य का चक्र लगाते थे। प्रजा को सदा सुखी और संतुष्ट रखते थे। यह सब किससे सीखे? 'सब रीतिरस्म का फाउन्डेशन (Foundation;आधार) संगम समय है, और संगम निवासी ब्राह्मण हैं।' इसलिए ही अब तक भी कोई रस्म करने के लिए ब्राह्मणों को ही बुलाया जाता है। तो आप लोगों से राजाएं रस्म सीखे हैं, आप सिखलाने वाले स्वयं तो अवश्य कर सकते हो इसलिए **मास्टर रचता बन विश्व की रेखदेख करो। समझा, क्या करना है? अभी बचपन के अलबेलेपन को छोड़ो, समय और शक्तियों को सेवा में सफल करो। अच्छा।**



Fb | OM Shanti

हमेशा स्वस्थ रहने के लिए, सुबह उठते ही संकल्प करें, मैं हमेशा स्वस्थ हूँ, मैं निरोगी हूँ यह बार बार मन में बोलते जाएं फिर सारा दिन जब भी समय मिले तो ये संकल्प दोहराएं, कुछ ही दिनों में शरीर की हर बीमारी सही हो जाएगी ।

ध्यान रखें हर संकल्प से सिद्धि होती है ।

*The reason for all
sickness in the mind
is the absence of
peace in the mind,
resulting in worry
and sorrow.*

Dadi Janki

www.dadijanki.org





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org